चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-12-25	04	1-2

कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को देनी होगी प्राथमिकता : वीसी

एचएयू में कृषि शिक्षा दिवस पर हुआ कार्यक्रम

जिताओं को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर 'एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी।

प्रो. कांबोज ने कहा कि भविष्य में कृषि शिक्षा केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह स्मार्ट और तकनीक-आधारित कृषि की दिशा में अग्रसर होगी।

वर्ष 2047 तक कृषि को ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंसर आधारित खेती, स्मार्ट सिंचाई और रोबोटिक्स से सुसज्जित करना होगा। कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलपति ने प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती 3 दिसंबर को हर साल कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाई जाती है। आयोजन सचिव डॉ. जगमोहन ढिल्लों ने प्रतियोगिताओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. मंजूनाथ एस हुरकडली, यशिका आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

- ***नारा लेखन :*** *आरोहिका कायथ प्रथम, प्रचेता द्वितीय, मुस्कान तृतीय*
- ***निबंध लेखन :*** *सलोनी दीप प्रथम, नमन द्वितीय, अंशु कुमारी तृतीय*
- ***रंगोली :*** *मनोज प्रथम, कामिया द्वितीय, अग्रिनी रत्ना तृतीय*
- ***पोस्टर मेकिंग:*** *आरहिका कायथ प्रथम, रीतिक यादव द्वितीय, शोभा व सृष्टि सरकार तृतीय*
- ***कैंपस वीडियो मेकिंग:*** *अनु यादव प्रथम, अरुल मणिकंदन द्वितीय, सुहानी तृतीय*
- ***गायन :*** *सुज्ञान आनंद प्रथम, गौरव द्वितीय, पलविंदर कौर तृतीय*
- ***कविता :*** *रिया तंवर प्रथम, रितिक शर्मा द्वितीय, पायल तृतीय*
- ***प्रश्नोत्तरी :*** *प्रथम : टीम ए (अक्षय मेहता, अमन कुमार, इनायत अली, मोहित बेनीवाल)*
- ***द्वितीय :*** *टीम बी (मनीषा, खुशी, कोमल, आंचल)*
- ***तृतीय :*** *टीम ई (अरूमुघन बी, अब्रना, रवि गुज्जर, संजय आर्य)*
- ***भाषण :*** *मानसी राज प्रथम, अरुमुघन एन द्वितीय, निशिता कुमार, निशिता कुमार, यशवीर, नमन, अक्षरा तृतीय*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-12-25	03	1-2

कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को देनी होगी प्राथमिकता : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर एग्री विजन फार विकसित भारत-2047 विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि मंच पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी। आज की कृषि शिक्षा सिर्फ खेती सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि स्मार्ट, टिकाऊ, तकनीक-आधारित और उद्यमशील कृषि के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। कृषि शिक्षा एक डिग्री नहीं बल्कि एक विजन है जो अनुसंधान और नवाचार का मार्ग दिखता है।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और विद्यार्थी इस मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस हमें याद दिलाता है कि भविष्य हमारे हाथों में है और यह भविष्य तभी उज्जवल होगा जब हमारी खेती, किसान और खेती से जुड़ी तकनीकें और अधिक मजबूत होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-12-25	04	4-6

कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को देनी होगी प्राथमिकता: प्रो. काम्बोज

हकृवि में कृषि शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर 'एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि मंच पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ रमेश यादव मौजूद रहे।

सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी। देश को वर्ष 2047 तक एक आधुनिक, तकनीक आधारित, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। कुलपति ने प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

भाषण प्रतियोगिता में मानसी राज, अरुमुघन एन., निशिता कुमार, यशवीर, नमन, अक्षरा क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। नारा लेखन में आरोहिका कायथ, प्रचेता व मुस्कान क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। निबंध लेखन में सलोनी दीप, नमन व अंशु कुमारी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। रंगोली कॉम्पिटिशन में मनोज, कामिया, अग्निनी रत्ना, बबीता कुमारी, युक्ति, अन्नू पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। पोस्टर मेकिंग में आरहिका कायथ पहले, रीतिक यादव दूसरे तथा शोभा व सृष्टि सस्कार तीसरे स्थान पर रहे। कैंपस विडियो मेकिंग एंड एडिटिंग में अनु यादव प्रथम अरुल मणिकंदन बी व वीसू द्वितीय सुहानी तृतीय स्थान पर रहे। गायन प्रतियोगिता में सुज्ञान आनंद प्रथम गौरव द्वितीय व पलविंदर कौर तृतीय स्थान पर रहे। कविता प्रतियोगिता में रिया तंवर प्रथम, रितिक शर्मा द्वितीय व पायल तीसरे स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम ए से अक्षय मेहता, अमन कुमार, इनायत अली, मोहित बैनीवाल प्रथम टीम बी से मनीषा, खुशी, कोमल व आंचल द्वितीय, टीम ई से अरूमुघन बी, अब्रना, रवि व संजय आर्य तीसरे स्थान पर रहे। मंच संचालन छात्रा यशिका ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	5-12-25	12	4-8

हकृवि में कृषि शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

कृषि शिक्षा में उद्यमिता को प्राथमिकता देने की जरूरत

छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभा दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर 'एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव इस मौके पर विशेष रूप से मौजूद रहे। सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी। आज की कृषि शिक्षा सिर्फ खेती सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि स्मार्ट, टिकाऊ, तकनीक-आधारित और उद्यमशील कृषि के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। कृषि शिक्षा एक डिग्री नहीं बल्कि एक विजन है जो अनुसंधान और नवाचार का मार्ग दिखता है। प्रो. देश की कृषि व्यवस्था ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एआई) सेंसर आधारित खेती, स्मार्ट सिंचाई और रोबोटिक से पूरी तरह सुसज्जित करना होगी। कृषि शिक्षा का उद्देश्य उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है। बदलते जलवायु परिदृश्य में ऐसी तकनीकें विकसित करनी होगी जो किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार दे सकें।

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे

कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को जागरूक एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कुलपति ने प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। भाषण प्रतियोगिता में मानसी राज, अरुमुघन एन., निशिता कुमार, यशवीर, नमन, अक्षरा क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। नारा लेखन में आरोहिका कायथ, प्रचेता व मुस्कान क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। निबंध लेखन में सलोनी दीप, नमन व अंशु कुमारी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-12-25	03	3-4

एचएयू में कृषि शिक्षा दिवस पर प्रो. काम्बोज बोले

भविष्य की खेती एआई, ड्रोन और सेंसर पर आधारित होगी

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करते हुए कुलपति।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047 विषय पर सेमिनार किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि कृषि शिक्षा सिर्फ खेती तक सीमित नहीं, बल्कि स्मार्ट, टिकाऊ और तकनीक आधारित कृषि की दिशा में अग्रसर है। भविष्य की कृषि ड्रोन, एआई, सेंसर आधारित खेती, स्मार्ट सिंचाई और रोबोटिक्स से सुसज्जित होगी। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और उद्यमिता की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। डॉ. एस के पाहुजा ने बताया कि देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं कृषि मंत्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती हर वर्ष 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाई जाती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए भाषण, निबंध, नारा लेखन, कविता, प्रश्नोत्तरी और वीडियो एडिटिंग समेत कई प्रतियोगिताएं करवाई गईं। कुलपति ने विजेताओं को पुरस्कृत और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-12-25	05	1-5

कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को देनी होगी प्राथमिकता : प्रो. काम्बोज

हकृवि में कृषि शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 4 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर 'एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047' विषय पर सैमिनार का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि मंच पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव मौजूद रहे। सैमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी। आज की कृषि शिक्षा सिर्फ खेती सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि स्मार्ट, टिकाऊ, तकनीक-आधारित और उद्यमशील कृषि के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। कृषि शिक्षा एक डिग्री नहीं बल्कि एक विजन है जो अनुसंधान और नवाचार का मार्ग दिखता है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और विद्यार्थी इस मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस हमें याद दिलाता है कि भविष्य हमारे हाथों में है और यह भविष्य तभी उज्जवल होगा जब हमारी खेती, किसान और खेती से जुड़ी तकनीकें और अधिक मजबूत होगी। देश को वर्ष 2047 तक एक आधुनिक, तकनीक आधारित, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार की भावना, प्रौद्योगिकी का विकास और देश सेवा का संकल्प विकसित करना कृषि शिक्षा दिवस का मूल उद्देश्य है। प्रो. काम्बोज ने कहा की वर्ष 2047 में देश की कृषि व्यवस्था ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एआई) सेंसर आधारित खेती, स्मार्ट सिंचाई और रोबोटिक से पूरी तरह सुसज्जित करना होगी। कृषि शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को इन उभरती तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है। बदलते जलवायु परिदृश्य में ऐसी तकनीकें विकसित करनी होगी जो किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार दे सकें। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा के माध्यम से जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य तथा सतत खेती को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। भविष्य में किसान सिर्फ कृषि उत्पादन तक सीमित न रहकर एग्री उद्यमी बनने की और अग्रसर होंगे ताकि कृषि लागत के साथ-साथ अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक बेहतर कर सकें। कृषि शिक्षा को स्टार्टअप, एग्री बिजनेस, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और मार्केटिंग क्षेत्र में बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम करना होगा। कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को जागरूक एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कुलपति ने प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। भाषण प्रतियोगिता में मानसी राज, अरुमुघन एन., निशिता कुमार, यशवीर, नमन, अक्षरा क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। नारा लेखन में आरोहिक कायथ, प्रचेता व मुस्कान क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे निबंध लेखन में सलोनी दीप, नमन व अंशु कुमारी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। रंगोली कॉम्पिटिशन में मनोज, कामिया, अग्रिनी रत्ना, बबीता कुमारी, युक्ति छिल्लर, अन्नू पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। पोस्टर मेकिंग में आरहिका कायथ पहले, रीतिक यादव दूसरे तथा शोभा व सृष्टि सरकार तीसरे स्थान पर रहे। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं आयोजक डॉ एस के पाहुजा ने बताया कि देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं कृषि मंत्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती प्रत्येक वर्ष 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाई जाती है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जगमोहन ढिल्लों ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आयोजन सचिव डॉ मंजूनाथ एस. हुरकडली ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	04.12.2025	--	--

कृषि शिक्षा एक डिग्री नहीं बल्कि एक विजन है : प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ⏭ 04 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर एग्री विजन फॉर विकसित भारत-2047 विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि मंच पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ रमेश यादव मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने में कहा कि कृषि शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को प्राथमिकता देनी होगी। आज की कृषि शिक्षा सिर्फ खेती सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि स्मार्ट, टिकाऊ, तकनीक-आधारित और उद्यमशील कृषि के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। कृषि शिक्षा एक डिग्री नहीं बल्कि एक विजन है जो अनुसंधान और नवाचार का मार्ग दिखता है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और विद्यार्थी इस मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस हमें याद दिलाता है कि भविष्य हमारे हाथों में है और यह भविष्य तभी उज्जवल होगा जब हमारी खेती, किसान और खेती से जुड़ी तकनीकें और अधिक मजबूत होंगी। कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को जागरूक एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कुलपति ने प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया और प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

आरहिका कायथ ने बनाया सबसे सुंदर पोस्टर

भाषण प्रतियोगिता में मानसी राज, अरुमुघन एन., निशिता कुमार, यशवीर, नमन, अक्षरा क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। नारा लेखन में आरोहिका कायथ, प्रचेता व मुस्कान क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। निबंध लेखन में सलोनी दीप, नमन व अंशु कुमारी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। रंगोली कॉम्पिटिशन में मनोज, कामिया, अग्रिनी रत्ना, बबीता कुमारी, युक्ति छिल्लर, अन्नू पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। पोस्टर मेकिंग में आरहिका कायथ पहले, रीतिक यादव दूसरे तथा शोभा व सृष्टि सरकार तीसरे स्थान पर रहे। कैंपस विडियो मेकिंग एंड एडिटिंग में अनु यादव प्रथम अरुल मणिकंदन बी व वीसू द्वितीय सुहानी तृतीय स्थान पर रहे। गायन प्रतियोगिता में सुज्ञान आनंद प्रथम गौरव द्वितीय व पलविंदर कौर तृतीय स्थान पर रहे। कविता प्रतियोगिता में रिया तंवर प्रथम, रितिक शर्मा द्वितीय व पायल तीसरे स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम ए से अक्षय मेहता, अमन कुमार, इनायत अली, मोहित बेनीवाल प्रथम टीम बी से मनीषा, खुशी, कोमल व आंचल द्वितीय, टीम ई से अरूमुघन बी, अब्रना, रवि गुज्जर व संजय आर्य तीसरे स्थान पर रहे। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. जगमोहन ढिल्लों, डॉ मंजूनाथ एस. हुरकडली आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-12-25	02	2-5

दैनिक भास्कर

भास्कर एक्सक्लूसिव • एचएयू ने प्रदेश में 6,469 मिट्टी के सैंपल लेकर तैयार की रिपोर्ट

रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग के कारण हरियाणा में घट रही मिट्टी की सेहत

यशपाल सिंह | हिसार

हरित क्रांति ने खाद्यान्नों के मामले में हमें आत्मनिर्भर तो बना दिया, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग के कारण मृदा का स्तर गिर रहा है। हरियाणा के 22 जिलों से मिट्टी के करीब 6,469 सैंपल लेकर एचएयू मृदा विज्ञान विभाग ने विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की है। इसमें मिट्टी के लिए आवश्यक पोषक तत्वों में कमी मिली है। पौधों के लिए 18 आवश्यक पोषक तत्वों में से 15 ही मृदा से मिलते हैं। विश्लेषण में सामने आया कि मृदा से सल्फर, जिंक कॉपर, आयरन, मैगनीज आदि पोषक तत्वों में कमी आ रही है। सल्फर की कमी सबसे अधिक अम्बाला में 64.2 फीसदी, महेंद्रगढ़ में जिंक 14.5 प्रतिशत व कॉपर 34.1 फीसदी की कमी मिली है। आयरन की भिवानी में 48.5 प्रतिशत, मैगनीज की करनाल में 27.1 फीसदी और बोरॉन की रेवाड़ी में 8.4 प्रतिशत की कमी पाई गई।

वार्षिक उत्पादकता नुकसान ₹72 हजार करोड़ से अधिक

वर्ष 2050 तक 60% कृषि उत्पादन बढ़ाने की जरूरत

भोजन का लगभग 95 प्रतिशत भाग मृदा से ही मिलता है। विश्व की एक-तिहाई मृदा क्षारित हो चुकी है। एक चम्मच मृदा में कई लाख सूक्ष्म जीव होते हैं। मृदा की ऊपरी परत जो 2 से 3 सेंटीमीटर होती है, उसे बनने में एक हजार वर्ष लग जाते हैं। एक आकलन के अनुसार वर्ष 2050 तक बढ़ती आबादी व भविष्य की मांग को देखते हुए कृषि उत्पादन में लगभग 60 प्रतिशत बढ़ोतरी की जरूरत होगी। सतत मृदा प्रबंधन से 58 प्रतिशत अधिक खाद्य उत्पादन संभव है। भारत में लवणता और अपरदन समेत भूमि क्षरण से होने वाली कुल वार्षिक उत्पादकता हानि लगभग 72 हजार करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।

मिट्टी में मिल रही इन पोषक तत्वों की कमी

पोषक तत्व	कमी प्रतिशत में
सल्फर	16.5%
आयरन	13.2%
मैगनीज	9.9%
जिंक	1.8%
कॉपर	1.6%
बोरॉन	0.4%

अंतरराष्ट्रीय मृदा विज्ञान संघ ने रखी थी मांग, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में की मृदा दिवस की घोषणा

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि 2002 में अंतरराष्ट्रीय मृदा विज्ञान संघ ने 5 दिसंबर को मृदा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 2013 में खाद्य एवं कृषि संगठन ने इसे वैश्विक मंच के रूप में स्थापित करने का समर्थन किया। दिसंबर 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 68वीं सामान्य सभा की बैठक में पारित कर 5 दिसंबर 2014 को पहला आधिकारिक विश्व मृदा दिवस घोषित किया।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. रोहताश कुमार, सहायक वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान विभाग, एचएयू

मृदा उर्वरता घटने के ये हैं प्रमुख कारण

मृदा उर्वरता घटने के प्रमुख कारणों में आधुनिक कृषि में सघन फसल प्रणाली पर जोर, मृदा में जैविक खादों के उपयोग में कमी है। इसके कारण मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों की कमी हो जाती है। इसके अलावा अत्याधिक रासायनों व उर्वरकों का प्रयोग, मुख्य उर्वरकों नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाशयुक्त के प्रयोग में असंतुलन आवश्यकता से अधिक नाइट्रोजन धारक उर्वरकों का प्रयोग प्रमुख कारण हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	4-12-25	05	1-4

चारा फसल

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार अच्छा उत्पादन ले सकते हैं किसान

जौ की पछेती किस्मों की दिसंबर में पोरा या केरा विधि से करें बिजाई, एक एकड़ में 45 किलोग्राम बीज डालें

भास्कर न्यूज | हिसार

जौ की पछेती किस्मों की बिजाई दिसंबर में की जा सकती है। पछेती फसल में माल्ट की पैदावार व गुणवत्ता कम हो जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि 1 एकड़ के लिए 45 किलोग्राम बीज लेकर बीज को कतारों में 18-20 सेंटीमीटर की दूरी पर पोरा या केरा विधि से बोएं। बिजाई के समय 26 किलोग्राम यूरिया, 75 किलोग्राम सुपर फास्फेट तथा 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश डालें। सुपर फास्फेट को पोरा करें, बिखेरें नहीं, जबकि समय पर बीजी गई फसल में बिजाई के 40-45 दिन बाद पहला पानी लगाएं। जौ में पहला पानी लगाते समय नाइट्रोजन की आधी मात्रा 26 किलोग्राम यूरिया डालें। यदि जौ की पत्तियों पर जस्ते की कमी के लक्षण दिखाई दें तो अधिक पैदावार लेने के लिए जस्ते-यूरिया के घोल का छिड़काव करें। बिजाई से पहले बीज का उपचार वीटावैक्स या बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से सूखा उपचार करें।

फसल की सिंचाई के बाद करें निराई

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जौ में पहली सिंचाई के बाद एक या दो बार फसल की नलाई करें। यदि ऐसा न कर सकें तो

200-250 लीटर पानी में 400 ग्राम 2, 4-डी सोडियम साल्ट प्रति एकड़ को घोलकर फसल की बिजाई के 40 दिन बाद छिड़काव करने से चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नष्ट हो जाते हैं या चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एलग्रीप 20 प्रतिशत दाने 8 ग्राम, 200 मिली. चिपचिपा पदार्थ या 2, 4 डी अमाईन 58 एस एल 500 मिली छिड़कें।

लोमड़ घास और जंगली जई के नियंत्रण के लिए करें छिड़काव

डॉ. करमल सिंह ने बताया कि कनकी, जंगली जई व लोमड़ घास के नियंत्रण के लिए एक्सियल 5 ईसी. पिनोक्साडेन 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ को 200 लीटर में घोलकर 40-45 दिन बाद छिड़कें। मिश्रित खरपतवारों संकरी व चौड़ी पत्ती वाले के नियंत्रण के लिए एक्सियल 5 ईसी 400 मिलीलीटर के साथ अलग्रीप 20% घुपा/घु. दाने 8 ग्राम 200 मिली. चिपचिपा पदार्थ या 2, 4-डी अमाईन 58 एसएल 500 मिली या एफीनिटी 40 डीएफ 20 ग्राम प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर 40-45 दिन बाद छिड़कें।